अंडरग्राउंड मेट्रो इसी साल

आरे से बीकेसी तक ट्रैक बिछाने और स्टेशन बनाने का काम जोरों पर

■ मुंबई, नवभारत न्यूज नेटवर्क. मुंबई की पहली भूमिगत मेट्रो के पहले चरण को इस साल के अंत तक शुरू किए जाने का लक्ष्य है. उल्लेखनीय है कि मेट्रो 3 की टनलिंग का काम शत-प्रतिशत होने के बाद अब सुरंग के अंदर ट्रैक बिछाने और स्टेशन बनाने का काम तेजी से चल रहा है. एमएमआरसीएल की एमडी अश्विनी भिड़े के अनुसार आरे से लेकर बीकेसी तक ट्रैक बिछाने का 60% काम पूरा कर लिया गया है. इसके साथ दूसरे फेज में बीकेसी से लेकर कफ परेड तक मेट्रो रेल लाइन बिछाने का काम लगभग 40% हो गया है. इस तरह लगभग 66 किमी लंबाई के डबल ट्रैक में 33 किमी की लंबाई में ट्रैक का काम हो गया है. सिविल वर्क कंप्लीट होने के साथ कई भूमिगत स्टेशन तेजी से आकार ले रहे हैं.

ट्रैक के लिए LVT तकनीक : मेट्रो 3 पर अंडरग्राउंड ट्रैक बिछाने के लिए लो वाइब्रेंट टेक्नोलॉजी का उपयोग किया जा रहा है, ताकि मेट्रो चलते समय भूमिगत स्टेशनों और ऊपर रोड पर भी कंपन न हो. आम रेल ट्रैक की बजाय अलग लेयर वाली पटरी बिछाई जा रही है.

कट एंड कवर पद्धति

मेट्रो 3 के भूमिगत स्टेशनों का निर्माण कट एंड कवर पद्धति से किया जा रहा है. यह काम मुंबई की विरासत कहे जाने वाले सीएसएमटी एवं बीएमसी की इमारत के पास हो रहा है. अंडरग्राउंड मेट्रो सुरंग का काम निर्माण न्यू ऑस्ट्रियन टनलिंग मेथड (एनएटीम) तकनीक से किया गया है. इसमें सुरंग कार्य के साथ कट एंड कवर मेथेडोलॉजी अपनाई गई है.

आरे से बीकेसी 2023

एमएमआरसीएल के वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार जिस गति से मेट्रो 3 का काम हो रहा है, यदि इसी तरह चलता रहा तो इस वर्ष के अंत तक आरे से लेकर बीकेसी तक अंडरग्राउंड मेट्रो का पहला चरण शुरू हो जाएगा. सरकार भी चाहती है कि 2024 लोकसभा चुनाव के पहले मुंबईकर पहली अंडरग्राउंड मेट्रो के सफर का आनंद ले सकें. उधर आरे में ही मेट्रो 3 के कारशेड काम में भी गति आयी है.

33 किमी होगी मुंबई की पहली भूमिगत मेट्रो

1. कोलाबा-बांद्रा-सीप्ज तक लगभग 33.50 किमी लंबी मुंबई की पहली अंडर ग्राउंड मेट्रो होगी.
2. इस मेट्रो मार्ग पर कुल 27 स्टेशन हैं, इनमें 26 स्टेशन अंडर ग्राउंड तथा 1 जमीन के ऊपर.
3. इस मेट्रो परियोजना की लागत लगभग 35 हजार करोड़ तक पहुंच जाने का अनुमान है.
4. यह मेट्रो लाइन वेस्टर्न एवं सेंट्रल रेल लाइन से कनेक्टिविटी का काम करेगी.
5. अंडरग्राउंड होने से मुंबई को ट्रैफिक से निजात मिल सकेगी.